खदानों से हम्पी को खतरा

[स्रोत: द हिंदू](#)

हाल ही में कर्नाटक के **विजयनगर** ज़िले में स्थित [यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हम्पी](#) के आस-पास के क्षेत्र में पत्थर उत्खनन गतिविधियाँ शुरू हो गई हैं।

- पर्यावरणविदों और पर्यटकों ने इन गतिविधियों के कारण इस स्थल की ऐतिहासिक तथा पारिस्थितिक अखंडता पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंता जताई है।

विजयनगर साम्राज्य और हम्पी के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **विजयनगर साम्राज्य:**
    - **विजयनगर साम्राज्य या "विजय का शहर"** की स्थापना **वर्ष 1336 में हरिहर और बुक्का नामक दो भाइयों** ने की थी, जो पहले **मुहम्मद-बिन-तुगलक** की सेना में सेवा कर चुके थे।
    - वे **दिल्ली सल्तनत** से अलग हो गये और कर्नाटक में एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की, जिसका राजधानी शहर विजयनगर तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित था।
    - उनके राज्य की स्थापना में **समकालीन विद्वान और संत विद्यारण्य (Saint Vidyaranya) की सहायता और प्रेरणा** मिली थी।
    - विजयनगर साम्राज्य पर **संगम, सलुवा, तुलुवा और अराविदु नामक चार महत्त्वपूर्ण राजवंशों** का शासन था।
    - **तुलुव वंश के कृष्णदेवराय (1509-29)** विजयनगर के सबसे प्रसिद्ध शासक थे।
        - उन्होंने तेलुगु में राजव्यवस्था पर एक ग्रंथ की रचना की जिसे **अमुक्तमाल्यदा (Amuktamalyada)** के नाम से जाना जाता है।
- **हम्पी:**
    - यह कर्नाटक के **बेल्लारी ज़िले** में स्थित है, जिसमें **विजयनगर साम्राज्य** की राजधानी **(14वीं-16वीं शताब्दी ई.)** के अवशेष शामिल हैं।
    - हम्पी के मंदिरों की एक अनूठी विशेषता यह है कि यहाँ की चौड़ी रथ सड़कें स्तंभयुक्त मंडपों की पंक्ति से घिरी हुई हैं।
    - इसके प्रसिद्ध स्थलों में **कृष्ण मंदिर परिसर, नरसिंह, गणेश, हेमकूट मंदिर समूह, अच्युतराय मंदिर परिसर**[, विठ्ठल मंदिर परिसर](#)**, पट्टाभिराम मंदिर परिसर, लोटस महल परिसर** आदि शामिल हैं।
    - **हम्पी को वर्ष 1986 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।**
    - वर्ष 1565 में **दक्कन सल्तनतों के गठबंधन द्वारा विजयनगर साम्राज्य को पराजित** कर दिया गया (तालिकोटा का युद्ध), जिसके बाद हम्पी खंडहर बन गया।

विट्ठल मंदिर:

- इसका निर्माण 15वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के शासकों में से एक **देवराय द्वितीय के शासनकाल में हुआ था।**
- यह **विट्ठल** (भगवान विष्णु) **को समर्पित है** और इसे विजय विट्ठल मंदिर भी कहा जाता है।
- इसमें **पत्थर के रथ और संगीतमय स्तंभ** जैसे उल्लेखनीय आकर्षण हैं, जिसमें पत्थर के रथ को **50 रुपए के नोट** पर दर्शाया गया है।

हम्पी रथ:

- यह भारत के तीन प्रसिद्ध पत्थर के रथों में से एक है, अन्य दो [कोणार्क](#) (ओडिशा) और **महाबलीपुरम** (तमिलनाडु) में हैं।
- इसे **16वीं शताब्दी में विजयनगर के शासक राजा कृष्णदेवराय के आदेश** पर बनाया गया था।
- यह **भगवान विष्णु के आधिकारिक वाहन गरुड़ को समर्पित** एक मंदिर है।

विरुपाक्ष मंदिर:

- यह कर्नाटक के मध्य हम्पी में 7वीं शताब्दी का **शिव मंदिर** है।
- **भगवान विरुपाक्ष** जिन्हें **पंपापति** भी कहा जाता है, विरुपाक्ष मंदिर के मुख्य देवता हैं।

- इसे **विजयनगर शैली की वास्तुकला** में बनाया गया था और विजयनगर साम्राज्य के शासक **देव राय द्वितीय** के अधीन नायक **लखन दंडेश** ने इसका निर्माण कराया था।

विजयनगर मंदिर वास्तुकला शैली:

- **विविध संरचनाएँ:** इसमें **मंदिर, अखंड मूर्तियाँ, महल,** आधिकारिक इमारतें, शहर, सिंचाई प्रणालियाँ, बावड़ियाँ और तालाब शामिल थे।
- **शैलियों का मिश्रण:** वास्तुकला में **हिंदू और इस्लामी तत्त्वों का अनूठा मिश्रण था।**
- **मंदिरों की विशेषताएँ थीं:**
  - **मंदिरों की दीवारें नक्काशी और ज्यामितीय पैटर्न से अत्यधिक सुसज्जित थीं।**
  - अब चारों तरफ **गोपुरम** बनाए गए।
  - अखंड चट्टान के स्तंभ
  - सामान्यतः **मंदिर के स्तंभों पर एक पौराणिक प्राणी याली (घोड़ा) उकेरा** जाता है
  - **प्रत्येक मंदिर में एक से अधिक मंडप बनाए गए थे।** केंद्रीय मंडप को **कल्याण मंडप** के रूप में जाना जाने लगा।
  - **मंदिर परिसर के अंदर धर्मनिरपेक्ष इमारतों की अवधारणा भी इसी** अवधि के दौरान शुरू की गई थी।
  - उल्लेखनीय संरचनाओं में **महानवमी टिब्बा, कल्याण मंडप और हज़ारा राम मंदिर** शामिल हैं। सजावटी तत्त्वों में **अक्सर घोड़े और राया गोपुरम (भव्य प्रवेश द्वार टॉवर) होते थे।**

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

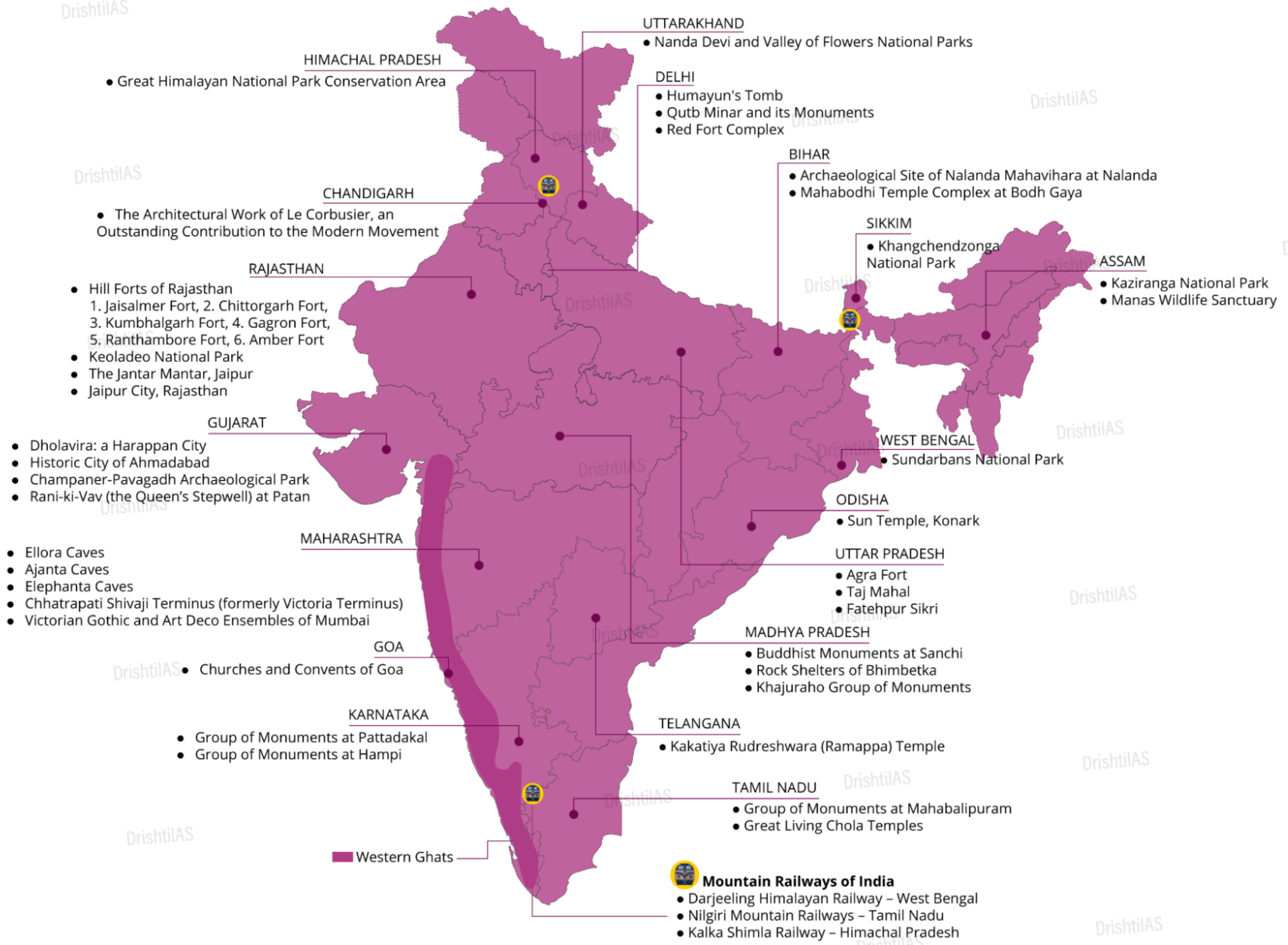

तथ्य

- **भारत में विश्व धरोहर/विरासत स्थलों की कुल संख्या –** 40
- **कुल सांस्कृतिक धरोहर स्थल –** 32
- **कुल प्राकृतिक स्थल –** 7 (काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस वन्यजीव अभयारण्य, पश्चिमी घाट, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, नंदा देवी तथा फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान)
- **मिश्रित स्थल –** 1 (कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान)
- **सूची में सबसे पहले शामिल किये गए धरोहर स्थल –** ताजमहल, आगरा का किला, अजंता गुफाएँ तथा ऐलोरा गुफाएँ (सभी वर्ष 1983 में)
- **सूची में हाल ही शामिल किये गए स्थल (2021) –** हड़प्पाकालीन स्थल धौलावीरा (40वाँ स्थल), काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर (39वाँ स्थल)
- **सर्वाधिक विश्व धरोहरों वाले देश –** इटली (58), चीन (56), जर्मनी (51), फ्राँस (49), स्पेन (49)
- **विश्व धरोहर स्थलों की संख्या के मामले में भारत छठवें स्थान पर है।**

Drishti IAS

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है? (2021)

(a) अजंता गुफाएँ, वाघोरा नदी की घाटी में स्थित हैं।
(b) साँची स्तूप, चंबल नदी की घाटी में स्थित है।
(c) पांडू-लेणा गुफा देव मंदिर, नर्मदा नदी की घाटी में स्थित है।
(d) अमरावती स्तूप, गोदावरी नदी की घाटी में स्थित है।

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/quarrying-threatens-hampi